Shodhshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
© 2022 SHISRRJ | Volume 5 | Issue 3 | ISSN : 2581- 6306

जनपद जौनपुर में स्त्री साक्षरता का विश्लेषणात्मक अध्ययन

श्रद्धा श्रीवास्तव
एसो प्रोफेसर – भूगोल, पीबीपीजी कालेज प्रतापगढ़

डॉ आर के सिंह
प्रोफेसर – भूगोल, टीडी कालेज जौनपुर।

Article Info
Volume 5, Issue 3
Page Number : 143-147

Publication Issue :
May-June-2022

Article History
Accepted : 01 May 2022
Published : 30 May 2022

किसी राष्ट्र की जनसंख्या स्वरूप तथा सामाजिक प्रगति उस देश की शिक्षा स्तर पर निर्भर करती है। जनसंख्या की गुणवत्ता उसके शैक्षिक स्तर से ही मानी जाती है। शैक्षिक स्तर से आर्थिक विकास का भी प्रत्यक्ष सम्बन्ध है, आर्थिक विकास शैक्षिक स्तर से प्रभावित होता है। उच्च शैक्षिक स्तर वाले राष्ट्रों में प्रायः उच्च आर्थिक विकास तथा निम्न शैक्षिक स्तर वाले देश आर्थिक विकास में पिछड़े हुए हैं।

साक्षरता न केवल जनसंख्या की गुणवत्ता को प्रदर्शित करती है, वरन् यह जनांकिकीय एवं सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन को भी निर्धारित करती है। अतः मानव के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षा महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य तत्व है।

साक्षरता की परिभाषा भिन्न–भिन्न देशों में अलग–अलग है, भारत में संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या द्वारा दी गयी साक्षरता वर्ग परिभाषा को माना गया है। वह कोई व्यक्ति जो किसी भी भाषा में लिख, पढ़ व समझ सकता है, उसे साक्षर माना गया है।

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य स्त्री साक्षरता का कालिक, स्थानिक एवं तुलनात्मक विश्लेषण कर साक्षरता वृद्धि के लिए व्यवहारिक योजना प्रस्तुत करना है।

स्त्रोत एवं विधितंत्र –

प्रस्तुत शोध प्रपत्र मुख्यतया द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है। साक्षरता सम्बन्धी सभी आंकड़े भारतीय जनगणना 1981, 1991, 2001 एवं 2011 से प्राप्त किए गए हैं।

प्रस्तुत अध्ययन में प्रापत आंकड़ो का प्रयोग तथ्यों के विश्लेषण हेतु सामान्य सांख्यिकीय विधि का प्रयोग करते हुए विश्लेषणात्मक विधि अपनायी गयी है।

अध्ययन क्षेत्र –

जनपद जौनपुर वाराणसी मण्डल के उत्तर –पश्चिम दिशा में 25^{0}26′ उत्तरी अक्षांश से 26^{0}11′ उत्तरी अक्षांश तथा 82^{0}8′ पूर्वी देशान्तर से 83^{0}5′ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। जनपद के पूर्व में गाजीपुर, आजमगढ़, पश्चिम में प्रतापगढ़, प्रयागराज उत्तर में सुल्तानपुर तथा दक्षिण में वाराणसी स्थित है। सम्पूर्ण अध्ययन क्षेत्र गंगा–यमुना प्रवाह के अन्तर्गत आता

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

है। गोमती जनपद की प्रमुख नदी है, इसके अतिरिक्त सई, वरुणा, बसुही तथा पीली अन्य सहायक नदियाँ हैं। सम्पूर्ण जनपद मानसून जलवायु के अन्तर्गत आता है, जहाँ ग्रीष्म वर्षा तथा शीत ऋतुएँ होती है।

जनपद की कुल जनसंख्या 4494204 (2011 वर्ष) है तथा 1113 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर जनसंख्या घनत्व मिलता है। जनपद में लिंग अनुपात 1024 है, जो प्रदेश में सर्वाधिक है।

जनपद में साक्षरता –

जनपद जौनपुर में 1971 से 2011 (तालिक–1 एवं ग्राफ–1) तक साक्षरता उत्तर प्रदेश एवं भारत की साक्षरता की तुलना में कम है, किन्तु इसमें हर जनगणना में वृद्धि हो रही है। जनपद की कुल साक्षरता 1971 में 21.23 प्रतिशत थी, जिनमें स्त्रियों की साक्षरता 8.1 प्रतिशत थी, 1981 में जनपद की साक्षरता 26.30 प्रतिशत थी, जिनमें स्त्री साक्षरता 10.9 प्रतिशत थी। 1991 में जनपद की कुल साक्षरता 22.39 प्रतिशत थी, जिनमें स्त्री साक्षरता का प्रतिशत 12.22 था। 2001 में जनपद की साक्षरता 59.84 प्रतिशत हो गयी तथा साक्षरता वृद्धि के साथ 44.07 प्रतिशत थी। 2011 की जनगणना में जनपद की कुल साक्षरता 71.55 प्रतिशत है। स्त्री साक्षरता 44.07 प्रतिशत से बढ़कर 59.81 प्रतिशत हो गयी है।

तालिका संख्या – 1

जनपद में साक्षरता

वर्ष	साक्षर व्यक्ति			साक्षरता प्रतिशत		
	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री
1971	425715	344200	81515	21.23	34.50	8.10
1981	666210	527692	138518	26.30	41.90	10.90
1991	1060628	788059	282569	22.39	66.24	42.22
2001	1871674	1170022	701652	59.84	76.18	44.07
2011	2731677	156534	1565394	71.55	83.80	59.84

स्रोत : सांख्यिकी पत्रिका, 1981, 1991, एवं 2001.

तालिका संख्या – 2

जनपद में साक्षरता

वर्ष	ग्रामीण			नगरीय			योग
	कुल	पुरुष	स्त्री	कुल	पुरुष	स्त्री	
1991	40.79	61.37	20.59	61.22	73.00	47.98	42.22
2001	58.73	75.70	42.53	73.11	81.57	63.43	59.84
2011	70.81	83.61	58.67	80.17	85.96	73.99	71.55

स्रोत : सांख्यिकी पत्रिका, 1991, 2001, एवं 2011.

जनपद में ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्र में स्त्रियों की साक्षरता (तालिका–2) में अधिक अन्तर मिलता है। 2001 में ग्रामीण क्षेत्र में स्त्रियों की साक्षरता 42.35 तथा नगरीय क्षेत्र में साक्षरता 63.84 प्रतिशत थी। 2011 मे ग्रामीण साक्षरता

प्रतिशत 58.67 तथा नगरीय क्षेत्र में 59.84 थी। ग्रामीण क्षेत्र में साक्षरता प्रतिशत नगरीय की अपेक्षा अत्यन्त कम है, किन्तु 1991–2001 तथा 2011 तक ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा सुविधा के प्रचार–प्रसार के कारण शिक्षा का स्तर तथा प्रतिशत में वृद्धि हुयी है।

स्त्री साक्षरता की स्थानिक वितरण प्रारूप का अध्ययन करने पर जनपद में विकास खण्ड स्तर पर साक्षरता में भिन्नता मिलती है। प्रति दशक जनपद तथा विकास खण्डों में साक्षरता (तालिका –3) में वृद्धि हुई है। वर्ष 1991 में औसत स्त्री साक्षरता 22.39 प्रतिशत थी, जिसमें जनपद के डोभी ब्लाक में सर्वाधिक 26.21 तथा मछलीशहर विकास खण्ड में 14.77 प्रतिशत थी, जो जनपद की औसत स्त्री साक्षरता में कम थी। वर्ष 2001 में जनपद की औसत स्त्री साक्षरता 1991 में लगभग दुगुनी वृद्धि के साथ 44.07 प्रतिशत हो गयी।

2001 में सर्वाधिक साक्षरता सिरकोनी विकास खण्ड में 47.65 प्रतिशत तथा सबसे कम स्त्री साक्षरता सुइथाकला विकास खण्ड में 38.26 प्रतिशत थी। सम्पूर्ण विकास खण्डों (तालिका –3) का अध्ययन करने पर सुइथाकला में 41.81, शाहगंज में 41.22, खुटहन में 43.88, बदलापुर में 43.38, करंजाकला में 38.26 महाराजगंज में 40.86, बक्शा में 44.70, सुजानगंज मं 41.65, मुंगराबादशाहपुर में 40.13, मछलीशहर में 42.32, रामनगर मं 41.21, रामपुर में 39.09, मुफ्तीगंज में 43.78, जलालपुर में 46.04, केराकत में 44.63, डोभी में 46.10 तथा सिरकोनी में 47.67 प्रतिशत दृष्टिगोचर होती है। 2011 में कुल स्त्री साक्षरता में 54.84 प्रतिशत थी। सर्वाधिक साक्षरता जलालपुर ब्लाक में 73.30 प्रतिशत तथा सबसे कम मछलीशहर में 68. 09 प्रतिशत थी। वर्ष 2011 में सभी विकास खण्डों में स्त्री साक्षरता पुरुषों की अपेक्षा कम है।

तालिका –3

जनपद जौनपुर : विकास खण्डों में स्त्री साक्षरता वर्ष 2011

1. सुइथाकला	62779	46564	109343	79.64	58.19	68.83
2. शाहगंज	101434	75571	177005	78.64	58.23	68.40
3. खुटहन	75208	55564	130772	82.07	59.01	70.39
4. करंजाकला	85177	59816	144993	82.54	57.92	70.23
5. बदलापुर	81976	59706	141682	85.70	59.47	72.27
6. महराजगंज	58866	43124	101990	85.36	59.70	72.23
7. बक्सा	71666	53808	125474	86.08	60.72	73.00
8. सुजानगंज	75774	55345	131119	86.95	59.77	72.95
9. मुगराबदाशाहपुर	68705	48866	117571	84.04	57.00	70.20
10. मछलीशहर	76253	54994	131247	82.34	54.91	68.09
11. मड़ियाहू	72564	53928	126492	84.76	57.08	70.24
12. बरसठी	64694	49850	114544	83.64	56.16	68.95

13. सिकरारा	66252	47303	113555	85.83	60.11	72.84
14. धर्मापुर	38840	29528	68368	82.60	59.81	70.93
15. रामनगर	72493	53878	126371	83.20	58.23	70.34
16. रामपुर	71421	51744	123165	83.44	56.58	69.56
17. मुफ्तीगंज	41379	34114	75493	82.44	59.41	70.15
18. जलालपुर	58428	44152	102580	85.87	61.40	73.30
19. केराकत	62768	48876	111644	83.87	60.56	71.77
20. डोभी	58237	44424	102661	83.68	60.49	71.77
21. सिरकोनी	67284	47691	114975	85.86	60.23	72.98
योग ग्रामीण	1432198	1058846	2491044	83.61	58.67	70.81
योग नगरीय	133196	107437	240633	85.96	73.99	80.17
योग जनपद	1565394	1166283	2731677	83.80	59.81	71.55

GRAPH-3

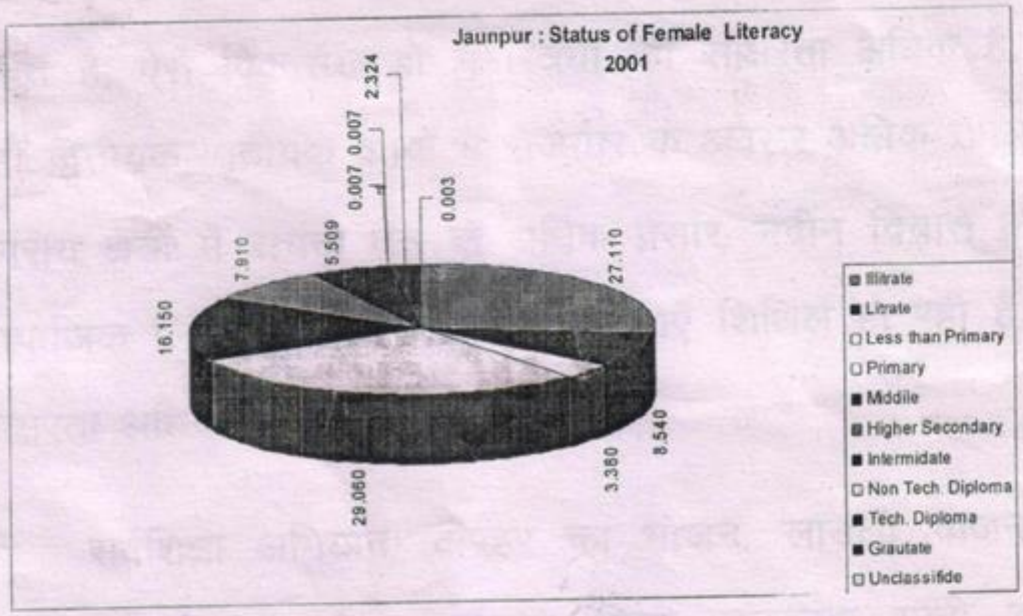

साक्षरता की दृष्टि से उत्तर–प्रदेश भी अल्प साक्षरता वाला माना जाता है। अध्ययन क्षेत्र में पुरुष साक्षरता की तुलना में स्त्री साक्षरता कम है। इसमें कमी के लिए आज भी स्त्री शिक्षा में रूढ़िवादी, सामाजिक परम्परा, समाज में जाति प्रथा, श्रम विभाजन, लिंग भेद, कम उम्र में विवाह तथा शिक्षा की समुचित व्यवस्था न होना आदि उत्तरदायी है।

अध्ययन क्षेत्र की महिला साक्षरता का अध्ययन करने पर निम्न तथ्य स्पष्ट होते हैं–

- ग्रामीण क्षेत्र की तुलना में नगरीय क्षेत्रों में महिला साक्षरता अधिक है।
- नगरीय क्षेत्र में पुरुष साक्षरता स्त्री साक्षरता अनुपात ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह कम हैं
- ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुष साक्षरता एवं स्त्री साक्षरता में नगरीय की तुलना में क्षेत्रीय असमानता अधिक मिलती है।
- नगरीय क्षेत्र से समीप स्थित विकास खण्डों में तथा जिनमें नगरीय केन्द्र स्थित है, ऐसे विकाख खण्डों में स्त्रियों की साक्षरता अधिक है, क्योंकि वहाँ द्वितीयक–तृतीयक कार्यों में रोजगार के अवसर अधिक उपलब्ध हैं।
- नगरीय क्षेत्रों में सूचना तंत्र के अधिक प्रसार, नवीन विचारों के कारण सामाजिक लिंग भेद एवं रुढ़िवादी परम्पराएँ शिथिल हो रही हैं, जिसमें साक्षरता अधिक है।

सर्वशिक्षा अभियान, दोपहर का भोजन, लाडली योजना, शिक्षा गारण्टी और वैकल्पिक एवं प्रयोगात्मक शिक्षा, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय एवं शिक्षा सहयोग योजना जैसी योजनाओं एवं अन्य प्रोत्साहनकारी सुविधाओं तथा शिक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों के कारण स्त्री साक्षरता मं वृद्धि हो रही है।

यदि किसी क्षेत्र की प्रगति अपेक्षित है तो महिलाओं को शिक्षा, सामाजिक वातावरण व अन्य सुविधाओं के समान अवसर देने होंगे, जिससे महिलाएं सामाजिक एवं आर्थिक रूप सशक्त होकर राष्ट्र एवं समाज के विकास को दिशा दे सके।

सन्दर्भ

1. कुप्पुस्वामी, बी0 – पापुलेशन एण्ड सोसाइटी इन इण्डिया।
2. गुप्ता, पी0सी0 – इण्ट्रोडक्शन टू पापुलेशन जियोग्राफी।
3. चन्दना, आर0सी0 एवं सिद्ध2, एम0एम0 – इण इण्ट्रोडक्शन टू पापुलेशन जियोग्राफी।
4. जौनपुर सांख्यिकीय पत्रिका 2001.2011।
5. यादव, हीरालाल – जनसंख्या भूगोल।
6. लवानिया, डॉ0 एम0एम0– भारतीय महिलाओं का समाजशास्त्र।
7. योजना – 2008 अक्टूबर।